मिशन शक्ति

नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

शान हो, सम्मान हो
अभिमान हो

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

मिशन शक्ति

भारतीय संस्कृति अपने जिन प्रमुख विशेषताओं के कारण जानी जाती है, उनमें एक है नारी स्वतंत्रता एवं स्वावलम्बन। वैदिक युग में नारी अपनी स्वतंत्रता, स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष पर थी। नारी और पुरुष दोनों हेतु सामाजिक, आर्थिक, धर्मिक इत्यादि सभी क्षेत्रों में समानता के समान अवसर उपलब्ध थे। विकास के दीर्घकाल में अनेक सामाजिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त रही है। भारतीय संस्कृति में नारी सदैव से ही सम्मानित एवं पूजित रही है। भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक परंपरा में इस बात के प्रमाण आज भी उपलब्ध हैं। भारत की धार्मिक आध्यात्मिक परंपरा में मातृशक्ति को आज भी शस्त्रधारी, शक्तिसम्पन्न, ज्ञान की अधिष्ठात्री और काल पर भी विजय प्राप्त वाली शक्ति करने के रूप में पूजा जाता है, किंतु वैदेशिक आक्रमणकारियों की कट्टरता, नारी को उपयोग की वस्तु समझने की पाशविक प्रवृत्ति के कारण आज नारी असुरक्षित हुई है। समाज में इस पाशविक प्रवृत्ति पर विजय पाने एवं नारी को मातृ शक्ति के रूप में पुनः प्रतिष्ठित करने का पावन अभियान मिशन शक्ति के रूप में उत्तर प्रदेश की सरकार ने शारदीय नवरात्र से प्रारंभ किया। नवरात्र पर्व को जन-जागरण का अभियान बनाने वाले इस पवित्र अभियान का महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ भी सहभागी बना। मिशन शक्ति के अंतर्गत महाविद्यालय ने जिन कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया है, उन कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण आप के समक्ष प्रस्तुत है।

- **प्रथम चरण** – शारदीय नवरात्र (17.10.2020) – बासंतिक नवरात्र (25.10.2020)
- **द्वितीय चरण** – 26.02.2021 – 21.04.2021
- **तृतीय चरण** – 21.08.2021 – 31.12.2021
- **विशेष अभियान** – 14.04.2022 – 31.08.2022

प्रथम चरण – दिनांक 17.10.2020 – 25.10.2022

विशेष अभियान – दिनांक 14.04.2022 – 31.08.2022

वन-महोत्सव कार्यक्रम

मिशन शक्ति के अन्तर्गत गाँव मंझरिया में पौधरोपण करातीं मिशन शक्ति की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह

मिशन शक्ति के अन्तर्गत दिनांक 07 जुलाई, 2022 को बी.एड्. विभाग एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में नेता जी सुभाष चन्द्रबोस के 125वीं जयन्ती वर्ष एवं वन महोत्सव कार्यक्रम के समापन अवसर पर शिक्षक एवं छात्र/छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा गोद लिए हुए गांव

मिशन शक्ति

मिशन शक्ति के अन्तर्गत गाँव मंझरिया की महिलाओं को पौधा भेंट करतीं बी.एड्. विभाग की छात्राएं

पौधरोपण करते ग्रामवासी

मंझरिया में वृक्षारोपण किया। छात्र/छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को विविध प्रकार के पौधे उपहार में दिये एवं उनके घरों के बाहर पौधे लगवाए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों को सम्बोधित करती हुई बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि लोगों को जागरूक करने हेतु वृहद पैमाने पर जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए। सभी लोग वृक्ष लगायें और उनकी देखभाल सुनिश्चित करें। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। मानव होने के नाते हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम वृक्षों को बचायें और अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। कार्यक्रम में शिक्षक श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती साधना सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र/छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

ग्राम मंझरिया की महिला को मिशन शक्ति के तहत पौधा भेंट करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी

विश्व जनसंख्या दिवस : उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका

11 जुलाई, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में मिशन शक्ति के अन्तर्गत विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 'विश्व जनसंख्या दिवस : उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत व्याख्यान देते श्री शैलेन्द्र सिंह

मिशन शक्ति

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक

व्याख्यान में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि विवेकानन्द जी का मत था कि नारी परिवार की आत्मा है। परिवार के दो स्तम्भ हैं, स्त्री एवं पुरुष। परिवार की सुव्यवस्था का उत्तरदायित्व नारी के कन्धों पर है। परिवार के लिए नारी शक्ति स्वरूपा है। घर परिवार का वातावरण उसी के आचरण पर निर्भर करता है। नारी जन्म देती है। बालक के पालन-पोषण में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। माँ के द्वारा जो संस्कार बचपन में दिये जाते हैं, वे जीवन भर हमारा मार्गदर्शन करते रहते हैं। माँ बालक के लिए प्राथमिक शिक्षिका है। नारी शिक्षित होगी, तो परिवार शिक्षित होगा। भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के पद पर प्रतिष्ठित किया गया है। हमारी सभ्यता एवं संस्कृति में नारी को देवी के रूप में स्वीकृति मिली है। आज भारतीय नारियां, देश की संस्कृति, सभ्यता एवं धर्म की संरक्षिका बनी हुई हैं। साथ ही घर, परिवार एवं समाज के संचालन में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मानवता की प्रगति महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना अधूरी है। आज मुद्दा महिलाओं के विकास का नहीं, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का है। व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

योग कार्यशाला - 16.07.2022

मिशन शक्ति के अन्तर्गत योग कराते डॉ. एस.एन. शुक्ल

योग भारत की प्राचीन संस्कृति है। योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में मदद करता है। योग एवं स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यदि हम योग का निरन्तर अभ्यास करते रहें तो हम एक निरोगी जीवन जी सकते हैं। योग से शरीर में आत्म विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

यह बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने मिशन शक्ति के अन्तर्गत आयोजित एक दिवसीय योग कार्यशाला के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने आगे कहा कि योग की वजह से हमारा शरीर एवं मन एक साथ जुड़ जाता है। योग हमारे शरीर को तनाव मुक्त एवं शान्त चित्त रखने में मदद करता है। योग का अर्थ है,

मिशन शक्ति

योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग करते बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

सर्वोच्च चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का मिलन। योग के आठ चरण हैं, इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि शामिल हैं। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होता है एवं हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। आज के भौतिकतावादी परिवेश के कारण व्यक्ति का जीवन असंतुलित हो गया है, जिसके परिणाम स्वरूप विविध प्रकार की बीमारियां जैसे– उच्च रक्त चाप, मोटापा, मधुमेह व चिड़चिड़ापन आदि सहज रूप से मानव में देखी जा रही हैं। योग ही एक माध्यम है, जिससे हमें उत्तम स्वास्थ्य, निरोगी-काया तथा दीर्घायु को प्राप्त कर सकते हैं।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यशाला में, कपाल भांति, अनुलोम-विलोम, सूर्यनमस्कार, योग मुद्रा आसन, मंडूक आसन एवं गोमुख आसन का अभ्यास कराया गया। योग कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के 48 छात्राध्यापकों सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी भाग लिया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दिनांक 27-28 जुलाई, 2022 को मिशन शक्ति के अंतर्गत दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को संबोधत करतीं डॉ. श्वेता सिंह

मिशन शक्ति के अन्तर्गत स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अचार बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं मंझरिया गाँव की महिलाएं

मिशन शक्ति

अचार बनाने की तैयारी करतीं महिलाएं

खाद्य कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर के गृहविज्ञान विभाग के विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सिंह ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों एवं फलों से आम का स्कवैश, मिक्स फलों का जैम एवं सूरन और लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के उपरान्त महिलाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया गया एवं महिलाओं को मूल्य निर्धारण करने के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। खाद्य कार्यशाला में 52 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में उपस्थित ग्राम मंझरिया की महिलाएं

खाद्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शीलम वाजपेयी (शिक्षक एवं समाजसेविका), विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव एवं श्रीमती प्रतिमा सिंह भी उपस्थित रहीं।

खाद्य कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग को अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस खाद्य कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तवा, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, शिवेंद्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह, आदित्य मिश्रा आदि विद्यार्थियों के सक्रिय सहभाग किया।

ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति

कार्यशाला को संबोधित करतीं श्रीमती पार्वती राव

28 जुलाई, 2022 को बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य संरक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. श्वेता सिंह द्वारा प्रथम दिवस पर खाद्य पदार्थों की संरक्षण एवं पैकेजिंग कराकर आगे उसी तरह कार्य करने की जानकारी दी गयी। साथ ही सरकार की

मिशन शक्ति

अचार बनाने की प्रक्रिया का निरीक्षण करतीं डॉ. शीलम वाजपेयी

कार्यशाला को संबोधित करतीं प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शीलम वाजपेयी

महिला उद्यमिता एवं स्वावलम्बन संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी। महिलाओं को इन योजनाओं से जोड़ने के लिए समूह बनाये गये। महिलाओं को खाद्य पदार्थों के संरक्षण एवं प्रसंस्करण द्वारा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी गई। ग्रामीण महिलाओं को इन उत्पादों के माध्यम से मूल्य संवर्धन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। खाद्य संरक्षण कार्यशाला के माध्यम से 52 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

स्वावलंबी बनने के लिए प्रशिक्षित की गई महिलाएं

amarujala.com गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 28 जुलाई 2022

खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की ओर से बुधवार को गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 52 महिलाओं को जैम और अचार बनाने के तरीके बताए गए। मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. श्वेता सिंह ने प्रशिक्षण दिया। महिलाओं को वस्तुओं का मूल्य निर्धारण करने की भी जानकारी दी गई। शीलम वाजपेयी, पार्वती राव और प्रतिभा मौजूद रहीं। ब्यूरो

महिलाओं को स्वावलंबी बनने को प्रशिक्षण

गोरखपुर, निज संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. श्वेता सिंह ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों एवं फलों से आम का स्क्वैश, मिक्स फलों का जैम एवं सूरन और लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए महिलाओं को वस्तुओं का मूल्य निर्धारण करने की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में 52 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेविका शीलम वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि पार्वतरी राव एवं प्रतिमा सिंह मौजूद रहीं।

संयोजन गृह विज्ञान की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला में बीएड तृतीय सेमेस्टर के समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तवा, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, शिवेंद्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह व आदित्य मिश्र आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में मिशन शक्ति के अन्तर्गत किये गये कार्यों की मीडिया कवरेज

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्रीमती शीलम वाजपेयी (शिक्षिका, समाजसेविका) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव रहीं। कार्यशाला संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में बी.एड्. के छात्राध्यापक आदित्य तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, ओंकार गुप्ता, विनय सिंह, विवेक कुमार, शिवेन्द्र वर्मा, शिवांगी, समृद्धि, दिव्या, उर्वशी, अंकिता, अर्चना, अंकिता यादव, खुश्बू आदि ने सक्रिय रूप से सहयोग किया।

मृदा संरक्षण अभियान

30 जुलाई, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'मृदा संरक्षण अभियान' के तहत कम्पोस्ट गडढ़ा निर्माण कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा घर से लाये गये

मृदा संरक्षण अभियान के तहत कम्पोस्ट खाद हेतु गड्ढे का निर्माण करती महाविद्यालय की छात्राएं

मिशन शक्ति

कूड़े को गडढ़े में डलवाया गया। कूड़े के अन्तर्गत सब्जियों व फलों के छिलके, बचे हुए अनाज आदि सम्मिलित थे। इस प्रकार इस विधि द्वारा बनने वाले प्राकृतिक खाद के प्रयोग से मिट्टी की प्राकृतिक उपजाऊ शक्ति का विकास होता है एवं मिट्टी अधिक समय तक अच्छी फसल देने में सक्षम रहती है। खाद बनाने का कच्चा सामान भी सभी के घर आसानी से उपलब्ध हो जाता है तथा कचरे का प्रबन्धन भी सरल हो जाता है।

कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सुश्री स्मिता दूबे तथा डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव एवं गृह विज्ञान विभाग की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम 'मंझरिया' में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला उत्थान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की कुछ झलकियाँ